MASA-04

June - Examination 2018

MA (Previous) Sanskrit Examination

भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

Paper - MASA-04

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A $8 \times 2 = 16$

(Very Short Answer Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) साहित्यदर्पण के रचयिता का नाम बताइए।

(ii) भरतमुनि विरचित ग्रन्थ का नाम लिखिए।

(iii) वक्रोक्ति सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य कौन हैं?

(iv) साहित्यदर्पण ग्रन्थ में कितने परिच्छेद हैं?

(v) विश्वनाथ के अनुसार काव्यलक्षण बताइयें।

(vi) रससूत्र के सम्बन्ध में श्री शंकुक का सिद्धान्त किस नाम से प्रचलित है?

(vii) ब्राह्मण स्तम्भ के मूल में कौनसी धातु रखनी चाहिए?

(viii) सुप् प्रत्ययों में कितने प्रत्यय बताये गये हैं?

Section - B $4 \times 8 = 32$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 8 marks.

खण्ड – ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी में कीजिए।

(i) चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि।

काव्यादेव यतःतेन तत्स्वरुपं निरूप्यते।।

(ii) विरतास्वभिधाद्यासु यथाऽर्थो बोध्यते परः।

सा वृत्तिर्व्यञ्जनानाम शब्दस्यार्थादिकस्य च।।

3) निम्न में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

(i) यस्मादनेन ते विघ्नाः सासुराः जर्जरीकृताः।

तस्माज्जर्जर इत्येवं नामतोऽयं भविष्यति।।

(ii) रंगपीठं ततःकार्यं विधिदृष्टेन कर्मणा।

रंगशीर्षन्तु कर्तव्यं षड्दारुकसमन्वितम्।।

4) निम्न में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

(i) धर्मार्थकाममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च।

करोति कीर्तिं प्रीतिं च साधुकाव्यनिबन्धनम्।।

(ii) वृत्तं देवादि चरितशंसि चोत्पाद्यवस्तु च।

कलाशास्त्राश्रयश्चेति चतुर्धा भिद्यते पुनः।।

5) किन्ही 2 शब्दों की सिद्धि कीजिए।

(i) भावयति।

(ii) पिपठिषति।

(iii) पुत्रीयति।

(iv) विजयते।

6) रससूत्र की व्याख्या हेतु भट्टनायक द्वारा प्रणीत मुक्तिवाद को स्पष्ट कीजिए।

7) नाट्यशास्त्र के अनुसार नान्दी का विवेचन कीजिए।

8) भामहके अनुसार कथा और आख्यायिका को स्पष्ट कीजिए।

9) वामन के रीति सिद्धान्त को समझाइये।

Section - C $2 \times 16 = 32$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 16 marks.

खण्ड – स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) 'लक्षणा शक्तिरर्पिता' की व्याख्या कीजिए।

11) भरतमुनि के अनुसार नाट्यवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

12) रस की अलौकिकता की समीक्षा कीजिए।

13) ध्वनिविरोधी सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

———